

अच्युतवाणी

श्रीमद्भगवद्गीता - प्रथमोऽध्यायः - अर्जुनविषादयोगः



प्रथमाध्यायस्य श्लोकाः

गीता १:१	गीता १:२	गीता १:३
गीता १:४	गीता १:५	गीता १:६
गीता १:७	गीता १:८	गीता १:९
गीता १:१०	गीता १:११	गीता १:१२
गीता १:१३	गीता १:१४	गीता १:१५
गीता १:१६	गीता १:१७	गीता १:१८
गीता १:१९	गीता १:२०	गीता १:२१, २२
गीता १:२३	गीता १:२४	गीता १:२५
गीता १:२६	गीता १:२७	गीता १:२८, २९
गीता १:३०	गीता १:३१	गीता १:३२
गीता १:३३	गीता १:३४	गीता १:३५
गीता १:३६	गीता १:३७	गीता १:३८
गीता १:३९	गीता १:४०	गीता १:४१
गीता १:४२	गीता १:४३	गीता १:४४
गीता १:४५	गीता १:४६	गीता १:४७

श्रीमद्भगवद्गीता - प्रथमोऽध्यायः

समग्रस्य प्रथमाध्यायस्य पारायणम्